NEXT IAS

दैनिक संपादकीय विश्लेषण

विषय

अमेरिका की वेनेज़ुएला संबंधी कार्रवाइयों की वैधता

www.nextias.com

अमेरिका की वेनेज़ुएला संबंधी कार्रवाइयों की वैधता

संदर्भ

- हाल ही में अमेरिका का सैन्य और आर्थिक हस्तक्षेप तथा वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन है, जो अंतरराष्ट्रीय कानूनी व्यवस्था की मूलभूत सिद्धांतों को कमजोर करता है।

अमेरिका का औचित्य और कानूनी तर्क

- **संवैधानिक और संसदीय अधिकार**: अमेरिकी कानून के अंतर्गत युद्ध घोषित करने का अधिकार कांग्रेस के पास है, जबकि राष्ट्रपति सेनापति के रूप में कार्य करता है।
  - ऐतिहासिक रूप से, राष्ट्रपतियों ने राष्ट्रीय हित का उदाहरण देकर सीमित सैन्य बल का प्रयोग बिना संसदीय अनुमति के किया है।
  - **ऐतिहासिक उदाहरण :**
    - 1989: पनामा के जनरल मैनुअल नॉरिएगा की गिरफ्तारी
    - 2022: पूर्व होंडुरास राष्ट्रपति जुआन ऑरलैंडो हर्नांडेज़ का प्रत्यर्पण
- **मोनरो सिद्धांत का पुनरुत्थान :**
  - मोनरो सिद्धांत का ऐतिहासिक रूप से लैटिन अमेरिका में अमेरिकी हस्तक्षेप को उचित ठहराने के लिए प्रयोग किया गया।
  - वेनेज़ुएला, क्यूबा और निकारागुआ में हालिया अमेरिकी कार्रवाइयाँ 'क्षेत्रीय विशिष्टता' की वापसी को दर्शाती हैं, अर्थात् यह विश्वास कि पश्चिमी गोलार्ध संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के सार्वभौमिक कानूनी मानदंडों से बाहर संचालित होता है।
- **अवैधता और मान्यता से प्रतिरक्षा समाप्त नहीं होती:**
  - अमेरिका ने दावा किया कि चुनावी धोखाधड़ी के कारण मादुरो अब वेनेज़ुएला के वैध नेता नहीं हैं।
  - अमेरिका ने अपनी कार्रवाई को 'अंतरराष्ट्रीय अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी' के विरुद्ध एक 'कानून प्रवर्तन पहल' बताया।

क्या आप जानते हैं?

- मोनरो सिद्धांत (1823) ने पश्चिमी गोलार्ध को अमेरिकी प्रभाव क्षेत्र घोषित किया और बाहरी शक्तियों को हस्तक्षेप से चेतावनी दी।
- इसके विपरीत, ट्रम्प की विश्वदृष्टि आक्रामक प्रधानता, जबरन हस्तक्षेप और विदेशी राजनीतिक संक्रमणों के प्रत्यक्ष प्रबंधन पर बल देती है।
  - मोनरो सिद्धांत और ट्रम्प की विश्वदृष्टि मिलकर 'डोनरो सिद्धांत' बनाते हैं।

डोनरो सिद्धांत के मुख्य तत्व :

- **प्रभाव क्षेत्र की पुनर्पुष्टि**: पश्चिमी गोलार्ध अब केवल चिंता का क्षेत्र नहीं बल्कि एक विशेष सुरक्षा क्षेत्र है।
- **क्षेत्रीय मुद्दों का सुरक्षा-करण**: प्रवासन, मादक पदार्थ, ऊर्जा और संगठित अपराध जैसे सामाजिक-आर्थिक मुद्दों को राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे के रूप में पुनर्परिभाषित किया गया।
- **लोकतंत्र से नियंत्रण तक**: डोनरो सिद्धांत राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की तर्कशक्ति को दर्शाता है, जो रणनीतिक संसाधनों पर नियंत्रण, प्रतिद्वंद्वी शक्तियों से प्रतिस्पर्धा और क्षेत्रीय अस्थिरता के प्रबंधन पर बल देता है।

अंतरराष्ट्रीय कानून: संप्रभुता और बल प्रयोग पर निषेध

- **संयुक्त राष्ट्र चार्टर**: यह कहता है कि कोई भी राज्य दूसरे राज्य की क्षेत्रीय अखंडता या राजनीतिक स्वतंत्रता के विरुद्ध सैन्य बल का प्रयोग नहीं कर सकता, सिवाय आत्मरक्षा (अनुच्छेद 51) या सुरक्षा परिषद की अनुमति के।
  - आत्मरक्षा और सुरक्षा परिषद की अनुमति के दो मान्य अपवाद अमेरिका-वेनेज़ुएला मामले में अनुपस्थित थे।
- **आत्मरक्षा या UN जनादेश के अंतर्गत औचित्य का अभाव**: 'अंतरराष्ट्रीय अपराध खतरे' का अमेरिकी औचित्य अनुच्छेद 51 के अंतर्गत सशस्त्र हमले की परिभाषा में नहीं आता।
- **संप्रभु प्रतिरक्षा और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का उल्लंघन**: अमेरिकी कार्रवाई वेनेज़ुएला की क्षेत्रीय संप्रभुता और उसके अधिकारियों की प्रतिरक्षा का उल्लंघन है।
- **राज्य प्रमुख की प्रतिरक्षा**: ICJ ने 2002 में मान्यता दी कि पदस्थ राष्ट्राध्यक्षों को पूर्ण व्यक्तिगत प्रतिरक्षा प्राप्त है। अमेरिका ने वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति को जबरन हिरासत में लेकर इस सिद्धांत का उल्लंघन किया।
- **राज्य की जिम्मेदारी**: ARSIWA के अनुसार, जो राज्य अवैध रूप से बल का प्रयोग करता है, वह अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारी वहन करता है तथा क्षतिपूर्ति करनी होती है।
- **साम्राज्यवादी निरंतरता और वैधता का संकट:**
  - अमेरिका का हस्तक्षेप 'कानूनीता के आवरण में हस्तक्षेप' है, जो अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और लैटिन अमेरिकी संप्रभुता दोनों को कमजोर करता है।
  - यह OAS चार्टर और प्रथागत कानून में निहित गैर-हस्तक्षेप के सिद्धांत को कमजोर करता है।

अंतरराष्ट्रीय कानूनी व्यवस्था का व्यापक क्षरण

- **चयनात्मक कानूनीता और शक्ति असमानता**: अमेरिका का हस्तक्षेप चयनात्मक कानूनीता का हिस्सा है, जहाँ अंतरराष्ट्रीय कानून दूसरों को रोकने के लिए लागू किया जाता है लेकिन असुविधाजनक होने पर अनदेखा किया जाता है।
- **अंतरराष्ट्रीय स्थिरता के लिए परिणाम**: ऐसे एकतरफा कदम 'बल प्रयोग पर निषेध' को कानून के नियम से शक्ति के विशेषाधिकार में बदलने का जोखिम उत्पन्न करते हैं।
  - यदि प्रमुख शक्तियाँ अपने पड़ोस में विशेष अधिकार का दावा करती हैं, तो संप्रभु समानता का वैश्विक मानक क्षीण हो जाता है।

भारत की रणनीतिक दुविधा :

- **सिद्धांत और उदाहरण**: भारत की विदेश नीति लंबे समय से संप्रभुता और गैर-हस्तक्षेप पर आधारित रही है।
- **अमेरिका के साथ साझेदारी**: प्रौद्योगिकी, रक्षा और इंडो-पैसिफिक में अमेरिका के साथ भारत के बेहतर संबंध महत्वपूर्ण हैं। लेकिन डोनरो सिद्धांत दिखाता है कि अमेरिकी विदेश नीति अस्थिर है और घरेलू राजनीति से प्रभावित होती है।
- **वैश्विक दक्षिण पहचान और महाशक्ति आकांक्षाओं का संतुलन**: भारत को संप्रभु समानता की रक्षा करते हुए व्यावहारिक राष्ट्रीय हितों का पीछा करना होगा।

निष्कर्ष :

- वेनेज़ुएला में अमेरिकी हस्तक्षेप संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2(4) और 51 तथा संप्रभु समानता और राज्य प्रमुख की प्रतिरक्षा के सिद्धांतों का स्पष्ट उल्लंघन है।

- आत्मरक्षा, मानवीय हस्तक्षेप या अंतरराष्ट्रीय अपराध प्रवर्तन जैसी कोई भी कानूनी दलील इस कार्रवाई को वैध नहीं ठहरा सकती।
- अंतरराष्ट्रीय कानून को वास्तविक बाधा बनाए रखने के लिए बहुपक्षवाद और कानूनी जवाबदेही तंत्र का पुनर्नवीनीकरण आवश्यक है।

Source: TH

दैनिक मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: किस सीमा तक वेनेज़ुएला में संयुक्त राज्य अमेरिका का सैन्य हस्तक्षेप अंतरराष्ट्रीय कानून के अंतर्गत उचित ठहराया जा सकता है, और क्या यह वेनेज़ुएला की संप्रभुता का उल्लंघन है?

■■■■